Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding the issue of pollution in Kelo river in Raigarh district

श्रीमती गोमती साय (रायगढ़): सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदय, आज देश में चौथे सबसे प्रदूषित शहर का खिताब रायगढ़ को प्राप्त हो चुका है। रायगढ़ जिला वर्तमान में प्रदूषण जनित बीमारियों से तेजी से ग्रसित हो रहा है। देश में जब भी प्रदूषण की बात होती है तो चर्चा केवल दिल्ली पर ही आकर सिमट जाती है। जबकि छत्तीसगढ़ का सुदूर वनांचल जिला रायगढ़ औद्योगीकरण के चलते प्रदूषण की विकराल समस्या का सामना कर रहा है। लगभग डेढ़ सौ से ज्यादा छोटे-बड़े उद्योगों के अलावा दर्जनों कोयला खदानों से कोयला उत्खनन और परिवहन से भी यहां के पर्यावरण पर बहुत बुरा प्रभाव हो रहा है। जल के स्रोत प्रदूषित हो चुके हैं। जिले की जीवनदायिनी केलो नदी का पानी पीने योग्य नहीं रह गया है। फ्लाई-ऐश के अवैध भंडारण ने आम जनजीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डाला है। औद्योगिक विस्तार के लिए जन-सुनवाई में औद्योगिक अवैध मैनेजमेंट पर्यावरण के नियमों को तार-तार कर अनुमति प्राप्त कर रहे हैं। छोटे झाड़ के जंगल के नाम पर जंगलों की अवैध कटाई की गई है। जर्जर हो चुकी सड़कों में हो रहे कोल ट्रांसपोर्टेशन और उद्योगों की वजह से रायगढ़ जिले में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। एयर क्वालिटी इंडेक्स में रियल टाइम पॉल्यूशन की रैंकिंग 363 तक पहुंच गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिले की आबोहवा सेहत के लिए खतरनाक है, लेकिन फिर भी इस दिशा में पर्यावरण संरक्षण विभाग कोई पहल नहीं कर पा रहा है। दरअसल औद्योगिक हब कहे जाने वाले मेरे संसदीय क्षेत्र रायगढ़ जिले में पॉल्यूशन का अध्ययन कर रही आईआईटी, खड़गपुर के एक्सपर्ट्स की रिपोर्ट कहती है कि जिले के तमनार, तराईमाल, जामगांव जैसे इलाकों में पॉल्यूशन की मात्रा लगातार बढ़ रही है। , … (व्यवधान)

माननीय सभापति: अपनी मांग रखिए।

श्रीमती गोमती साय: महोदय, मैं आपके माध्यम से इसके लिए पर्यावरण मंत्री जी से मांग करना चाहती हूं।… (व्यवधान)

माननीय सभापति : एक मिनट में आपको पता है कि कितना होता है।